

# HINDI PROJECT

TOPIC-“हिंद मादासागर में छोटा-सा हिंदुस्तान” पर

एक लेख।

‘हिंद मादासागर में छोटा-सा हिंदुस्तान’ यात्रा-वृत्तान्त लेखक रामधारी सिंह ‘दिनकर’ जी के द्वारा रचित है। जिसके द्विकर जी ने अपनी यात्रा का वर्णन किया है। मॉरिशस हिंद मादासागर का सबसे भूक्षेत्र द्वीप है। लेखक ने अपनी यात्रा दिल्ली से १५ चुलाई की बढ़ई से १६ चुलाई की और नैशवी से २० चुलाई की मॉरिशस के निर प्रांश्च की। नैशवी के नैशनल पार्क के बारे में भी दिनकर जी ने भंशिम में वर्णन किया है।

मॉरिशस की लंबाई २० मील तथा चौड़ाई २० मील है। मॉरिशस में ६७% लोग भारतीय हैं जिसमें २० मील है। मॉरिशस में ६७% लोग भारतीय हैं जिसमें ५३% लोग हिंद हैं। मॉरिशस की राजधानी पीटलुई की गलियों के नाम कलकत्ता, मद्रास, हैदराबाद तथा बंबई हैं। इसके एक पूरे माइल का नाम काशी है। मॉरिशस में बनारस भी है, गोकुल भी है, और बहु स्थान भी हैं।

मॉरिशस की राजधानी अंगौजी, किंतु संस्कृति की भाषा फ्रेंच है। मॉरिशस की जनता फ्रेंच बोलती है। मॉरिशस कृषि प्रधान देश है।

मॉरिशस के प्रत्येक प्रमुख ग्राम में शिवालय होता है और हिंदू रामचरितमानस का पाठ घैलक और शाही पर गाया जाता है।

मॉरिशस के एक दील का नाम परी-तालाब है। शिवण्णि पर दिंदु ज्येन्त्र वस्त्र पहनकर कूँटी पर काँपर लेकर परी-तालाब से जल लेकर अपने गाँव के शिवालय में जाकर शिवनी को जल चढ़ाकर अपने घर में प्रवेश करते हैं।

यहाँ के भारतीय उत्त्पाद भूद्वज्ज्वल भी अपने धर्म पर हटे रहे और इस दीप को उद्घान छोटा-सा दिंदुसान बना डाना जिस पर सभी भारतीयी की गर्व होना चाहिए।

## धन्यवाद